मुझे गौतम गंभीर का टीम इंडिया के नए हेड कोच के तौर पर स्वागत करके बहुत खुशी हो रही है। आज के समय का क्रिकेट बहुत तेजी से बदला है, गंभीर ने इस बदलाव को करीब से देखा है। उन्होंने अपने करियर के कई रोल में नजर आए और सभी शानदार काम किया। - **जय शाह**

गंभीर के टीम इंडिया के हेड कोच बनने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अभिषेक नायर

40 वर्षीय अभिषेक नायर ने भारत के लिए तीन वनडे मैच खेले हैं। साथ ही वह गौतम गंभीर के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं और उनके बहुत करीबी माने जाते हैं। नायर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के भी करीबी हैं। वह टीम में सहायक कोच के रोल में रहेंगे जबकि गौतम गंभीर बल्लेबाजी कोच का पद भी खुद ही संभालेंगे। इसके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक फील्डिंग कोच टी दिलीप को फिर से इस पद के लिए चुना जा सकता है। दिलीप फील्डिंग मेडल को लेकर बहुत ज्यादा चर्चा में रहे थे। बीते सालों में टीम की फील्डिंग का स्तर काफी ऊंचा है।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल में पहली हैट्रिक करने का श्रेय फीफा अमेरिका के बेट्रेम को जाता है, वहीं कुछ लोग अर्जेंटीना के गुलिरेमा स्टे विल को यह सम्मान देते हैं।

भारत के युवा खिलाड़ियों का जलवा, जिम्बाब्वे तो 23 रनों से चटाई धूल, सीरीज में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 10 जुलाई। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस समय जिम्बाब्वे दौरे पर है। जहां, दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। बुधवार को भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे तीसरे टी20 मुकाबले में 23 रन से हरा दिया और सीरीज में 2-1 की बढ़त भी बना ली है। इससे पहले जहां भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। वहीं दूसरे मुकाबले में भारत की युवा टीम ने जिम्बाब्वे को 100 रन से हराया था। इसके साथ ही अब तीसरे मुकाबले में भी भारतीय टीम को 23 रन से बेहतरीन जीत मिली है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए तीसरे मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों का टारगेट सेट किया। जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 6 विकेट गंवाकर 159 रन पर ही सिमट गई।

टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी ऋतुराज गायकवाड़ की बड़ी छलांग, अभिषेक शर्मा की धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली, 10 जुलाई। आईसीसी ने बुधवार को टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की है। बल्लेबाजों की सूची में ऋतुराज गायकवाड़ 13 स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में पहुंच गए हैं। वह 662 रेटिंग अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 77 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 47 गेंदों का सामना करने के बाद 11 चौके और एक छक्का मारा था।

शतकवीर अभिषेक शर्मा ने रैंकिंग में धमाकेदार एंट्री की है। वह 75वें पायदान पर आ गए हैं। इंटरनेशनल डेब्यू मैच में शून्य पर पवेलियन लौटने वाले अभिषेक ने इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे दूसरे टी20 में तूफानी शतक ठोका था। उन्होंने 47 गेंदों में 7 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 100 रन बनाए। वह सबसे कम पारियों में टी20 इंटरनेशनल शतक लगाने वाले भारतीय हैं। उन्होंने गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की बेहतरीन पारी खेली थी।

इसके साथ ही रिंकू सिंह को भी फायदा हुआ है। वह चार ऊपर चढ़कर 39वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 22 गेंदों में 48 रन बनाए थे, जिसमें दो चौके और पांच छक्के शामिल हैं। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने दो आक्रामक कैमियों की बदौलत 25 स्थान की छलांग लगाई। वह 96वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड (844) टॉप पर काबिज हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (821) दूसरे नंबर पर हैं।

गौतम गंभीर की सैलरी को लेकर पेंच फंसा

नई दिल्ली, 10 जुलाई। भारतीय क्रिकेट टीम को अपना नया मुख्य कोच गौतम गंभीर के रूप में मिल चुका है। हालांकि, उनकी नियुक्ति की वित्तीय औपचारिकताएं अभी भी पूरी की जानी बाकी हैं। लेकिन इस समय उनके लिए सबसे अहम चीज तीन साल के कार्यकाल के दौरान आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार होने के मद्देनजर पसंदीदा सहयोगी स्टाफ रखना है। वहीं कहा जा रहा है कि गंभीर का वेतन अभी तय किया जाना बाकी है, हालांकि ये उनके पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ और रवि शास्त्री के समान होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि गौतम गंभीर के लिए जिम्मेदारी संभालना ज्यादा अहम था। वेतन और अन्य चीजों पर काम किया जा सकता है। ये 2014 में रवि शास्त्री जैसा मामला ही है जिसमें उन्हें पहली बार मुख्य कोच डंकन फ्लेचर की जगह क्रिकेट निदेशक बनाया गया था।

गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद हरभजन सिंह ने शेयर किया पोस्ट, लिखी दिल की बात

नई दिल्ली, 10 जुलाई। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के हेड कोच के तौर पर गौतम गंभीर के नाम की घोषणा कर दी है। गौतम गंभीर भारत के 25वें मुख्य कोच बने हैं। इससे पहले वह आईपीएल में दो टीम के साथ काम कर चुके हैं।

कोच बनने के बाद दुनिया भर के तमाम क्रिकेटर्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। हरभजन सिंह ने भी उन्हें इसके लिए बधाई दी है। भज्जी ने कहा है कि आपका एग्रेशन खिलाड़ियों को उत्कृष्टता के मार्ग पर ले जाएगा। हरभजन सिंह ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि, भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में नई पारी के लिए गौतम गंभीर को बधाई। मुझे यकीन है कि आपका अनुभव, ऊर्जा, जुनून, एग्रेशन और प्रतिभा टीम को अच्छे मार्ग पर ले जाएगी। मेरी तरफ से आपको ढेरों शुभकामनाएं दोस्त।

पीसीबी ने चयनकर्ता वहाब और रज्जाक को किया बर्खास्त

लाहौर, 10 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 विश्वकप के निराशाजनक अभियान के बाद चयनकर्ताओं वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को बर्खास्त कर दिया है। रज्जाक पाकिस्तान की महिला टीम के भी चयनकर्ता थे और उन्हें पद से हटा दिया गया। इन दोनों की विदाई का आधिकारिक ऐलान इस सप्ताह के आखिर में होगा। वहाब को पीसीबी चैयरमैन मोहसिन नकवी का बहुत करीबी माना जाता है। वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को हटाये जाने के बाद पाकिस्तान की चयन समिति में मोहम्मद युसुफ, असद शफीक और डेटा एनालिस्ट बिलाल अफजल बचे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि चयन समिति का पुर्नगठन होगा और समिति में एक मुख्य चयनकर्ता भी होगा। इस चयन समिति के सदस्यों की संख्या भी सात से कम होगी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान पिछले चार वर्षो में छह मुख्य चयनकर्ता देख चुका है। वहाब से पहले हारून राशिद, शाहिद अफरीदी, इंजमाम उल हक, मोहम्मद वसीम और मिस्बाह उल हक भी छोटे-छोटे कार्यकाल में चयनकर्ता बन चुके हैं।

भारत को मुकाम तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करुंगा : सुनील छेत्री

नई दिल्ली, 10 जुलाई। भारतीय फुटबॉल के महान खिलाड़ी सुनील छेत्री ने भले ही अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया हो लेकिन वह टीम के साथ जुड़े रहेंगे और उनका कहना है कि वह देश को मुकाम पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ट्रॉफी दौरे को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में मौजूद छेत्री ने कहा कि भारत एक दिन ऐसे मुकाम पर पहुंचेगा जिसका देश के लोगों ने सपना देखा है। कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले छेत्री ने कहा, "मैंने अपने करियर में कई उतार चढ़ाव देखे हैं लेकिन एक

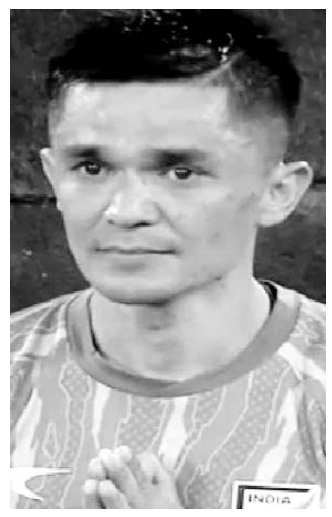

चीज बरकरार रहेगी कि एक दिन दिन हम उस स्तर पर पहुंचेंगे जिसका हम सभी ने सपना देखा है।" छेत्री इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलना जारी रखेंगे क्योंकि बेंगलुरु एफसी के साथ उनका अनुबंध अगले साल तक है। उन्होंने हालांकि अभी तक फैसला नहीं किया है कि वह कब तक घरेलू फुटबॉल में खेलते रहेंगे। छेत्री अगले महीने 40 साल के हो जायेंगे। 2022 में बेंगलुरु एफसी की अगुआई करते हुए डूरंड कप खिताब दिलाने वाले छेत्री ने कहा, "मैं अब ज्यादा कुछ नहीं कर सकता हूं क्योंकि मैं संन्यास ले चुका हूं लेकिन मैं भारत को उस मुकाम तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

नोवाक जोकोविच ने विंबलडन सेमीफाइनल में की एंट्री

नई दिल्ली, 10 जुलाई। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कूल्हे की चोट के कारण बुधवार को एलेक्स डि मिनोर के हटने पर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय डि मनोर ने सेंटर कोर्ट पर जोकोविच के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले से घंटों पहले टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की।

डि मिनोर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "बेशक यह वह घोषणा नहीं है जो मैं करना चाहता था। मैं टूट चुका हूं।" उन्होंने बताया कि सोमवार को चौथे दौर में आर्थर फिल्स पर 6-2, 6-4, 4-6, 6-3 की जीत के दौरान उन्होंने 'क्रैक' की आवाज सुनी थी। जब वह मैच समाप्त हुआ तो डि मिनोर सावधानी से नेट की ओर गए लेकिन बाद में मीडिया से बात करते समय उन्होंने स्थिति की गंभीरता को कम करके आंका। इस वॉकओवर से जोकोविच ने 13वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से उन्होंने पुरुष एकल में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। दूसरे वरीयता प्राप्त जोकोविच ने पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात विंबलडन में जीते हैं।

यामल और ओल्मो के शानदार गोलों की बदौलत स्पेन यूरो 2024 के फाइनल में

बर्लिन, 10 जुलाई। युवा सनसनी लैमिन यामल और दानी ओल्मो के शानदार गोलों की बदौलत स्पेन ने बुधवार को फ्रांस पर 2-1 की रोमांचक जीत दर्ज करते हुए यूरो 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मैच के दौरान मैदान पर स्पेन के 16 वर्षीय यामल ने विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए गोल दागकर अपनी टीम की मैच में वापसी कराई और इसके साथ ही यूरोकप में सबसे कम उम्र के गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया। स्पेन ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की। लेकिन नौवें मिनट में काइलियन एमबाप्पे के बेहतरीन पास रैंडल कोलो मुआनी ने हेडर के जरिए गोल दागकर फ्रांस को बढ़त दिलाई। स्पेन को मैच के दौरान फ्रांस की प्रशिक्षित और मजबूत रक्षापंक्ति का सामना करना पड़ा। हालांकि, 21वें मिनट में स्पेन के युवा खिलाड़ी यामल ने एक शानदार शॉट के जरिए गोलकर स्कोर को एक-एक से बराबर कर दिया। यह शॉट इतना जबर्दस्त था कि फ्रांस के गोलकीपर के पास बचाव करने का मौका भी नहीं मिला। इसके चार मिनट बाद स्पेन डैनी ओल्मो ने फ्रांसीसी रक्षापंक्ति को भेदते हुए गेंद को नेट में डालकर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। दूसरे हाफ में फ्रांस ने वापसी का प्रयास करते हुए कई हमले किए।

अल्कराज और मेदवेदेव ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीते

लंदन, 10 जुलाई। स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्कराज और रूस के पांचवें वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव बुधवार को विंबलडन चैंपियनशिप में अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीत गये। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 21 वर्षीय अल्कराज ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अमेरिका के टॉमी पॉल को 5-7, 6-4, 6-2, 6-2 से हराया। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, पहला सेट हारने के बाद मैंने अपने आपको मानसिक रूप से मजबूत किया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था, लेकिन मुझे पता था कि यह एक लंबा मैच है। मैंने अगले सेट में जीत हासिल की और मैं खुश हूं।

मुर्मु ने किया डूरंड कप टूर्नामेंट की ट्रॉफियों का अनावरण

नई दिल्ली, 10 जुलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफियों का अनावरण किया। इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु ने डूरंड कप टूर्नामेंट 2024 में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि फुटबॉल विश्व के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। जब पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी हजारों प्रशंसकों के सामने खेलते हैं, तो खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे जीतें या हारें खेल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए और उन्हें दूसरी टीमों का सम्मान करना चाहिए। कभी-कभी खेल में आवेग और जुनून होता है, लेकिन खिलाड़ियों को अपनी भावनाओं पर काबू पाने और खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए।

सुनील गावस्कर ने डेब्यू मैच से जमाई थी अपनी धाक

नई दिल्ली, 10 जुलाई। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील मनोहर गावस्कर आज यानी की 10 जुलाई को अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। सुनील गावस्कर लिटिल मास्टर के नाम से भी जाने जाते हैं। उनका नाम इस दुनिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक है। बता दें कि जब उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा था, तो टेस्ट में वेस्टइंडीज की पेस बैटरी की तूती बोलती थी। वहीं अपने समय में वह बिना हेलमेट के बैटिंग किया करते थे। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार : बॉम्बे (मुंबई) में 10 जुलाई 1949 को सुनील गावस्कर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम मीनल गावस्कर और मां का नाम मनोहर गावस्कर है। साल 1974 में उन्होंने मार्शनील गावस्कर से शादी रचाई थी। सुनील गावस्कर का एक बेटा है, जिसका नाम रोहन गावस्कर है। रोहन भी अपने पिता की तरह भारतीय टीम में रह चुके हैं, लेकिन रोहन को अपने पिता की तरह कामयाबी नहीं मिली।

क्रिकेट में एंट्री : साल 1971 में सुनीव गावस्कर ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत की थी। साल 1971 में गावस्कर ने वेस्टइंडीज दौरे पर पोर्ट ऑफ स्पेन में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। गावस्कर के लिए यह सीरीज काफी यादगार रही थी। अपने करियर की पहली ही सीरीज में उन्होंने वेस्टइंडीज के खूंखार गेंदबाजों की क्लास लगा दी थी। उस डेब्यू सीरीज में गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों में रिकॉर्ड 774 रन बनाए। बता दें कि इस सीरीज में उनके द्वारा लगाया गया दोहरा शतक सहित 4 शतक और 3 अर्द्धशतक निकले। गावस्कर का डेब्यू सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। 53 साल बाद भी कोई बल्लेबाज उनके इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाया।

साल 1983 वर्ल्ड कप : साल 1983 में हुए वर्ल्ड कप का भी गावस्कर हिस्सा रहे हैं। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान वह अच्छा प्रदर्शन करने में नाकामयाब रहे।

राहुल द्रविड़ ने साथियों के लिए किए 2.5 करोड़ रुपये कुर्बान!

नई दिल्ली, 10 जुलाई। राहुल द्रविड़ की विनम्रता एक बार फिर देखने को मिली, जब निवर्तमान मुख्य कोच ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीत के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीओआई) द्वारा दिए जाने वाले 2.5 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बोनस को लेने से इनकार कर दिया। द्रविड़ ने यह सुनिश्चित करने का फैसला किया कि सीनियर पुरुष टीम के सभी सहयोगी स्टाफ सदस्यों को समान बोनस पुरस्कार मिले। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ सहित टीम इंडिया के सदस्यों के लिए 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। खिलाड़ियों और राहुल द्रविड़ को जहां 5 करोड़ रुपये दिए गए, वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे और फील्डिंग कोच टी दिलीप सहित सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को बोनस के रूप में 2.5 करोड़ रुपये मिलने वाले थे। हालांकि, इंडिया टुडे को एक सूत्र ने बताया कि राहुल द्रविड़ ने बोर्ड से कहा कि वह बोनस के रूप में केवल 2.5 करोड़ रुपये लेंगे।

रोहित शर्मा को लेकर कुलदीप यादव ने किया बड़ा खुलासा, कहा- वो मेरे भाई की तरह

नई दिल्ली, 10 जुलाई। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 विनिंग टीम का हिस्सा रहे कुलदीप यादव ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उनकी कमबैक स्टोरी भी काफी इंस्पायरिंग है, कुलदीप यादव एक समय टीम इंडिया प्लान से आउट हो चुके थे। लेकिन उन्होंने अपनी गेंदबाजी में कुछ बदलाव किए और टीम इंडिया में बेहतरीन वापसी की। वहीं अपने करियर में नई उड़ान का श्रेय उन्होंने रोहित शर्मा को दिया है। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के बारे में कई खुलासे भी किए हैं।

दरअसल, कुलदीप से रोहित शर्मा के साथ कमेंट्री पर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, वो हमेशा से बहुत सपोर्टिव रहे हैं, और उनको हमेशा से मेरी स्किल्स में काफी ज्यादा विश्वास रहा है। एक समय था, जब मैं अपनी खुद की स्किल्स को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं था। वो मुझसे बदलाव को लेकर बता करते रहते थे। 2019 के दौरान उन्होंने कहा कि मैं गेंदबाजी में क्या बदलाव करके बेहतर बन सकता हूं।

रोहित भाई को लगता था कि मैं कुछ क्षेत्रों में थोड़े बदलाव कर लूं तो मैं बल्लेबाजों के लिए ज्यादा मुश्किलें पैदा कर सकता हूं। जब मैं अपनी इंजरी से वापस आया, तो मुझसे लगातार बदलाव की बात करते रहते थे। जो मैंने अपनी गेंदबाजी में किए भी। वो बड़े भाई जैसे हैं, और मुझसे बहुत प्यार करते हैं। वो काफी ज्यादा मुंहफट हैं और सीधा बताते हैं कि उन्हें मुझसे क्या चाहिए। उनके पास मेरे लिए एक तय प्लान था कि मुझे बीत के ओवरों में आकर विकेट चटकाना है। वो मुझे अटैकिंग स्पिनर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहते थे।

आईएचएफ ट्रॉफी हैंडबॉल में भारत की विजयी शुरुआत

भारतीय यूथ टीम की जीत में रवि के डेढ़ दर्जन गोल

बांग्लादेश को 45-35 गोलों से हराया, आज भी खेले जायेंगे चार मैच

जयपुर, 10 जुलाई। आईएचएफ ट्रॉफी हैंडबॉल चैम्पियनशिप में बुधवार को यूथ (अंडर-18) वर्ग में मेजबान भारत ने अपना विजयी अभियान शुरू करते हुए कप्तान रवि के शानदार 15 गोलो की बदौलत बाग्लादेश को 45-35 गोलो से पराजित किया। माध्यतर तक भारत ने 27-16 गोलो की बढत बनाये हुए थी। मैच के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर चुने गये रवि पूरे मैच में छाये रहे। उसने 15 गोलो के अलावा साथी खिलाड़ियों के साथ शानदार तालमेल भी बनाया। उसके अलावा प्रवीण गिल ने 9, रोहित-रोहित ने 8-8, मनिष यादव व नवदीप ने 2-2 और प्रवेश ने 1 गोल किया। बाग्लादेश के लिए मोहम्मद अतीक हुसैन आकाश ने सर्वाधिक 7 गोल किये। तोफिक कूर रहमान, मोहम्मद इबादत हुसैन रासेल ने 6-6,

मोहम्मद सोहाग अली ने 5, मोहम्मद फहीम फेजल माहिर ने 4, मोहम्मद रातुलिदीन, मोहम्मद अनिक इस्लाम ने 3-3 और रिजवान बिन फारूक अन्नान ने 1 गोल का योगदान दिया। दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे ने मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के रवि को पुरस्कार दिया। इससे पहले जूनियर (अंडर-20) के रोमांचक मैच में मालदीव ने नेपाल को हराया। पहले हॉफ (13-14) में एक गोल से पिछड़ने के बाद दूसरे हॉफ में शानदार वापसी करते हुए मालदीव ने पुरूषों की आईएचएफ ट्रॉफी हैंडबॉल चैम्पियनशिप के अंडर-20 आयु वर्ग के रोमांचक मैच में बाग्लादेश को 28 से मुकाबले 30 गोलो से हराया। मालदीव के लिए मोहम्मद यशमू अहमद ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 10 गोल किये। इसके अलावा मोहम्मद अफानाथी ने 7, अहमद राउल असद ने 6, मोहम्मद अमसाल ने 2, मुसा हिबाह इस्माईल रिजा और अहमद उमेस ने 1-1 गोल का योगदान दिया।

कोपा अमेरिका के फाइनल में पहुंचा अर्जेंटीना

नई दिल्ली, 10 जुलाई। लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंटके फाइनल में प्रवेश किया। अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज़ ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की।

मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं। वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैंजो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं। ईरान के अल देई के नाम 1993 से 2006 तक 108 या 109 गोल दर्ज हैं। इक्वाडोर के खिलाफ 2000 में किए गए उनके गोल को लेकर विवाद है क्योंकि इस मैच के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को लेकर मतभेद हैं। अर्जेंटीना ने यह जीत अपने स्वतंत्रता दिवस पर हासिल की जिससे उसका अजेय अभियान 10 मैच तक पहुंच गया है। अर्जेंटीना रविवार को होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा।